अनवरत: हमेशा

अमृत: जिसकी सिर्फ एक बूँद से मुर्दों में भी जान वापस आ जाती है

अक्स: छाया
अर्जी: प्रार्थना
अलाव: शरीर को गर्म करने के लिए जलाई गयी आग

अल: एकदम/ जहरीली
अगिनत: जिनकी गिनती नहीं हो सकती
असीम: जिनकी सीमा नहीं हो/अनगिनत

अनूप: अनोखा
अजाने: बिना जाने
अनंतकालिक: जिसके समय का कोई अंत नहीं हो
अहा: वाह
अतुल्य: जिसकी तुलना नहीं हो सकती

अदना: छोटा

अपनों के हाथ: जिन्हें हम अपना समझते हैं
अश्क: आँसू
आमादा: तैयार
आसमा: आसमान
आशियाँ: घर

आहुति: लकड़ियों में आग को जगाये रखने के लिए घी को डालना आहुति कहलाता है.
आबो-सबा : पानी-हवा
आँखों में धूल: धोखा

इतरा रहा: घमंड कर रहा

इतराती: अदा दिखलाती

इतिहास: पिछले किये हुए कर्म

उलझी लटें: उलझे हुए सर के बाल
उस कुम्हार: भगवान
उन्मुक्त: स्वतंत्र/आजाद
ऊँचाई: मंजिलें

एकाकी: अकेला

कहर: बारिश (तकलीफ)- Problems

कजरी: काली

कजरारी ऑंखें: किनारों पर काजल लगी हुई ऑंखें, मानों समंदर के किनारों पर उमड़ती काली लहरें हों.

करीने: सावधानी से/ध्यान से

कृति: रचना

करार: तय समय (agreement)

कश्ती: नाव

कल-कल: पानी की आवाज

क्यूँ कर: किस तरह

कमर पसारे: कमर के बल लेटकर

कइयों : बहुत

कायदों : नियम

किराये का: भाड़े का

कुतर: काटना/कम करना

क़ुबूल: स्वीकार/मानना

केश: सर के बाल

'कै': उलटी (जी घबराना)

खराश: खारापन

खंगाला: खोज-बिन

खंजर: तलवार/चाकू/ धारदार हथियार

खाल: चमड़ी

ख़िताब: ईनाम

'खुद' से: अपने आप से

खुदा के शहर: आसमां

खौफनाक: डरावना

गहनतम: सबसे गहरी

गवारा: मंजूर

गर: अगर

गँवारी: अनपढ़

गुणक: बढ़ोतरी
गुनाह: अपराध
गुमराह: मंजिलों से भटकाना
गुरूर: घमंड
गुनहगार: गुनाह करनेवाला

गुजर: बीतना
गूँथ कर: पिरो कर/जोड़ कर
गोया: मानो
गौर फ़रमायें: ध्यान दें

घटाव: कमी
घुटना टेकना: हार मानना

चहुँ ओर: चारो तरफ
चित्रपट: जिस पर चित्र बनाया जाता है
चुनता रहा: रस्ते से हटाना

छज्जा: मकान या खिड़की के बहार का हिस्सा जो जरा सी धूप को रोककर जरा सी छाया देता है.
छने: अलग हो जाएँ

जेठ: एक सबसे गर्म महीने का नाम (दुःख का समय)
जर्दियाँ: पीलापन (जब बुढ़ापे में चमड़ी पीली पड़ जाती हैं)
जड़ से: पूरी तरह से
जड़ों: पेड़ की जड़ (आत्मा/आत्मबल)
जमा: जाम
जतन: मेहनत/ध्यान
जहाँ: संसार
जीवंत: जीवित
जुदा: अलग
जोड़-बाकी: गणित
जोशे-जुनून: हौसला

झंझावातों: तूफाँ-बरसात आदि

ठौर: घर

डोर: रस्सी (बम कि रस्सी)
डोलेगा: किसी के संग घूमना

ढली: ख़त्म हुई

तहे-दिल: दिल की गहराई से
तमाम: सभी
तल्ख़: कड़े/तीखे

तत्वरूप से: वास्तव में
तकनीक: काम कि बारीकी
तरकारी: सब्जी
तबज्जो: महत्व (Importance)
तपिश: गर्मी
ताक पर: बिना ध्यान दिए

तेवर: अकड़/रुसवाई
तौफीक: ताकत

दुहाई: कसम

दरककर : फिसलकर
दक्ष: जानकार
दरार: फटने का निशान

दीदार होना : दिखना
दुशवार: कठिन
दौड़ना: सब कुछ छोड़कर तुरंत जाना

धुंधलका: अँधेरा सा

नसीब होता है: मिलता है
नाक-नक्श: चेहरे की बनावट

नाजों: सम्भाल कर
निपट: बिक जाना/सलट जाना
निंदियारी: नींद से भरी हुई
निर्मित: बनी हुई

निष्ठा:ईमानदारी
निशा: रात
निर्दोष: जिसका दोष नहीं हो
नूरानी: चमकता हुआ

नीव: आधार (होंसला)
नून: नमक

पतवार: नौका चलाने वाली लकड़ी/चप्पू
परिशुद्ध: बिना किसी भी भूल के
पनवाड़ी: पान बेचने वाला
पतझड़-बहार: अलग-अलग मौसम (सुख-दुःख)
पसारी: छूटी हुई
पर्याय: भूल का दूसरा नाम
परिंदा: पक्षी

परिणति: भाग्य/अंत
पाला है: मानते हैं
पानी और खाद: खाद्य-पदार्थ (संस्कार)
परे: हट कर/अलावा
पैगाम: सन्देश
पिंजरा: शरीर
पीक: थूक/लार
पोसा: पाला

फकत:सिर्फ
फबने: सुन्दर लगना
फक्र: गर्व
फलक/आसमां /नभ : आकाश (कोई एक मंजिल)ग़मगीन: दुखी

फिरदौस: स्वर्ग
फिर से आने को: दुबारा जन्म लेने पर

फीरोज़': सौभाग्यशाली

बदरी: बादल
बड़: एक बड़ा पेड़ जो मुसाफिर को भरपूर छाया देता है.
बखान: कहने-लिखने में

बस इक अदद: अकेले
बलगम: कफ/सर्दी
बरहम: परेशान
बड़े ऊपर से: आसमां से

बाजारी: बाज़ार की
बिका: बेचा गया है

बीज: कर्म
बुझे: उदास

बुत: पत्थर की मूर्ति
बे-इत्तिला: बिना किसी खबर के
बेबाक: साफ़ बोलने वाला
बेसब्र: मरने को

भरमाती: भ्रम पैदा करती

भाटायें: ज्वार में लहरें जोरों से उठती है और भाटा के समय दबकर कमजोर पड़ जाती हैं
भीगायेगा: पानी से गीला करेगा (मुश्किल मे डालेगा)

महज: सिर्फ (only)

मंजर: नज़ारा
मल्लाह: नाव चलाने वाला

महताब: चन्द्रमा
महतारी: माँ
मरहम: दवा
मकाँ: मकान (जीवन)

मजबूत जीवट: हिम्मतवाला (सच)
मालिक: भगवान
माता शारदा: माँ सरस्वती
मावस: अमावस्या
माथा: सर (head)
'मिलने की तड़प': मिलने कि चाहत

मुकद्दर: तकदीर
मुमकिन: संभव
मोहक: मन को भाने वाला

मौला: भगवान

यकीं: भरोसा

रकीब: गरीब

रगों से: नसों से

रहम की नज़र: दयादृष्टि
रब: भगवान
रब्बा: भगवान
रिश्तों को गर्म रखना: रिश्ता बनाए रखना

'रूह': आत्मा
रूखे: कड़वे
रुवांसे: रोने को तैयार
रेत: बालू
रेजगारी: खुदरा पैसे

लब्ज़: शब्द

लब: ओंठ
लहू: खून
लंगर: समंदर के तूफाँ से जहाज को बचाने के लिए नाव चलाने वाला, किसी बहुत भारी लोहे जिसे 'कांटा' भी कहते हैं, रस्सी या जंजीर मे बांधकर पानी मे फ़ेंक देता है जिससे जहाज तूफाँ के थपेड़ो को झेल लेता है. इसे 'लंगर डालना' भी कहा जाता है. आदमी अपने होसलों और हिम्मत के 'कांटे' से सभी तरह की कठिनाइयों को पार कर सकता है.
लंगड़े शातिर: झूठ (जिसके पाँव नहीं होते)
लाख रूपये की बात: जरूरी बात (important matter)
लालिमा: आँखे मे लाली होना (जोश बने रहना)

लेखनी: जो भी लिखा
लेखनी कि नदी: कविता

व्यस्त: समय बिताना
वार: आघात

सहर: सुबह

समद: समुद्र (मन)/ भगवान
सहज: आसानी से
सनम: जिससे प्यार हो

समिधा: यज्ञ में उपयोग आने वाली लकड़ियाँ
श्वांश सहज: ऑक्सिजन
समर: युद्ध
सरल: साफ़/सीधा
सख्त: कड़ा
सरेआम: सबके सामने
सजल: आँसू से भरी हुई
सबब: कारण
सरकारी: राशन की
सरपट: तेज
सहमी-सहमी: डरी-डरी सी
सरे-राह: पूरे रस्ते
सुबह की किरण: आशायें

संवाद: बातचीत (Communication)
संघर्षरत: जो हमेशा मुकाबला करतें हैं
संग्रहित: इकट्ठा
संपूर्ण: हर तरह से सही
सुन्न: बेजान

सावन-फाग: बारिश ओर रंगों का मौसम

सारगभित: निचोड़
साजो-सामान: सुख/आनंद कि भौतिक वस्तुवें
साँझ जिंदगी की: मौत की कगार पर
स्थित: एकदम शांत
सुकून: शांति/चैन
सुराख़: छेद

सुर्खियाँ: लाली (जवानी में जब गाल लाल रहते हैं)
सूत्र: सिद्धांत

सूरमा: बहादुर/हिम्मतवाला
सूप: लकड़ी का एक पात्र जिससे छानकर धान में से घुन निकाला जाता है
सेंक: आग में जलाना
सेंध लगायी: पहुँचना

शबों: रात (निराशा)
शिकारी/चित्रकार/उसी अपार: भगवान

शर्मसार: शर्म आना
शख्श: आदमी

शहरी: शहर की
शजर: पेड़ (फल)/शरीर
शाख: पेड़ का तना (branch of the tree)
शातिर: तेज
शिराओं: नसों
शिकवा: शिकायत
शीतल बयार: ठंडी हवा

शुक्रगुजार: आभारी

शुमार: गिनती में आना
हवन: पूजा के समय करने वाला यज्ञ

'हम' से 'मै': अच्छे सम्बन्ध टूटना (दो से एक होना)
होंसला: हिम्मत

क्षितिज: काफी दूर की वो जगह जहाँ हमें ज़मी ओर आसमां मिलते हुए दिखलाई देते हैं, जो सिर्फ नजरों का भ्रम होता है.